

खबर संक्षेप

फिजिकल काउंसिलिंग का अंतिम दिन आज

नरवाना। शिक्षा विभाग हरियाणा पंचकुला के निर्देशानुसार रविवार को फिजिकल काउंसिलिंग का अंतिम दिन होने के कारण के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना 23 अगस्त को फिजिकल ओपन काउंसलिंग के लिए खुला रहेगा। महाविद्यालय की दाखिला कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में ओवरमॉल नोडल ऑफिसर प्रोफेसर मोहित ने बताया कि कैटेगरी में बची हुई सीटों के आवेदन लेने के बाद जो सीटें रिक्त बचेंगी, उनको विभागीय नियमानुसार जनरल कैटेगरी में वर्गीकृत कर दिया जाएगा।

सावन के अंतिम सोमवार पर शिव आराधना का विशेष महत्व उचाना। सावन माह भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इस पवित्र माह में सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन के सोमवार को श्रद्धापूर्वक भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन और मंत्र जाप करने से भक्तों को विशेष लाभ प्राप्त होता है तथा भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहती है। 24 अगस्त को सावन का अंतिम सोमवार है। उचाना कलां स्थित प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी राजू शर्मा ने बताया कि सावन महीना भगवान शिव को समर्पित है।

मुकुेश नाइट सिल्वर जुबली उत्सव समारोह आज नरवाना।

मुकुेश यादगा समिति के तत्वाधान में 25वीं मुकुेश नाइट का सिल्वर जुबली उत्सव समारोह का आयोजन 23 अगस्त को मिलन पैलेस में आयोजन किया जाएगा। संरक्षक डा. एसके सिंगला ने बताया कि मुकुेश नाईट में मुख्यातिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी शिरकत करेंगे, जबकि अति विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाजसेवी प्रदीप मोर उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता हैरराबाद से आए व्यवसायी सुरेन्द्र अग्रवाल करेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष शर्मा, संजय चौधरी, सुदर्शन सिंगला, डा. विश्वेन्द्र भागवं,गौतम गर्ग,सुमित शर्मा, कृष्ण अरोड़ा उपस्थित रहे।

पात्र बीएलओ को जमा करवाएं दस्तावेज : डीसी जी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डा. वैशाली शर्मा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतानुसार एक जुलाई 2026 को क्वालीफाइंग तिथि मान कर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत दावे एवं आपत्तियां 30 अगस्त 2026 तक दर्ज की जा सकती हैं। इसी क्रम में मतदाताओं की सुविधा के लिए 23 अगस्त तथा 29 व 30 अगस्त 2026 को विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत संबंधित मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहेंगे। जहां पात्र नागरिक अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करवाएं।

कनिष्ठ अभियंता विजय को नियुक्त किया जिला प्रधान

जी। बिजली निगम में कनिष्ठ अभियंता के पद पर भर्ती हुए कर्मचारी वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं। वर्ष 2007 में जेई भर्ती हुए अनेक कर्मचारी 19 साल बाद भी उसी पद पर कार्यरत हैं। शनिवार को एचएसईबी डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक सपेठों रोड स्थित एक होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश वित्त सचिव कृष्ण खान ने की। बैठक में प्रमुख मांग डिप्लोमा होल्डर जेई का प्रमोशन कोटा 35 से बढ़ा कर 50% करने की रही। अजय सिसोदिया के तबादले के बाद विजय धीमान को जिला प्रधान और चंद्रभान दलाल के तबादले के बाद कपिल शर्मा को जिला सचिव बनाया गया।

जींद जिले में एनएसओ करेगा विभिन्न सर्वेक्षा जींद। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की सहायक निदेशक श्रेया ने बताया कि सरकार के सांख्यिकी कार्यक्रम देशभर में समय-समय पर परिवारों, दुकानों, प्रतिष्ठानों तथा अन्य छोटे-बड़े व्यवसायों से जुड़ी जानकारी एकत्रित करता है। इसी आधार पर केन्द्र सरकार जानकारी का उपयोग कर लोगों की स्थिति समझने और उनके लिए बेहतर योजनाएं एवं नीतियां बनाने में कार्य करती है। इसी को लेकर जींद के विभिन्न स्थलों पर भी अगस्त माह में सर्वेक्षण किया जाएगा।

एडीसी ने गतौली के राजकीय स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए

हरिमूढि न्यूज़ ॥जींद

एडीसी प्रदीप कुमार ने शनिवार को गांव गतौली स्थित राजकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, अध्यापकों की उपलब्धता, साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली व्यवस्था व विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। एडीसी ने गांव के राजकीय कन्या तथा ब्यायज, प्राथमिक विद्यालय एवं राजकीय कन्या सिनियर सकेंडरी स्कूल में पंहुचकर स्कूल परिसरों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं स्कूल प्रबंधन से विद्यार्थियों की संख्या, उपस्थिति तथा शिक्षा के स्तर से संबंधित जानकारी ली। कक्षाओं में



जींद। निरीक्षण करते एडीसी प्रदीप कुमार ।

फोटो:हरिभूमि

जाकर विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी पढ़ाई, पाठ्यक्रम तथा स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अध्यापकों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते प्रत्येक बच्चे की शैक्षणिक

प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना अध्यापकों व प्रशासन की प्राथमिकता है। विद्यार्थियों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण मिलना



गांव बडनपुर में मिनी स्टेडियम बनवाने के लिए खेल मंत्री से मिलेंगे ग्रामीण

हरिमूढि न्यूज़ ॥नरवाना

आगामी 24 अगस्त दिन सोमवार को खेल मंत्री गौरव गौतम परिवेदना समिति की बैठक लेने आ रहे हैं। इस अवसर पर गांव बडनपुर का शहीद भात सिंह खेल क्लब गांव बडनपुर में स्थित स्टेडियम को मिनी खेल स्टेडियम बनवाने के लिए खेल मंत्री से मिलेंगे। प्रेस के माध्यम से जानकारी देते हुए शहीद भगत सिंह ईकलाब मंच हरियाणा इकाई प्रधान व पूर्व सरपंच डॉ.जोगिन्द्र बडनपुर ने बताया कि गांव बडनपुर में 26 साल पहले जो स्टेडियम बना था उसमें खेल सुविधाएं कम हैं, न ही



पूर्व सरपंच जोगिंदर ।

स र का री मंच है, न ही खेल ग्राउंड है। उ े हों ने बताया कि ग्रामीणों व खेल क्लब की मुख्य मांग स्टेडियम को मिनी खेल स्टेडियम का दर्जा हरियाणा सरकार द्वारा दिया जाए ताकि खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल सके व स्टेडियम का नवीनीकरण हो सके। मुकुेबजज कोच वेद प्रकाश ने

2027 के अंत तक उचाना हलके के हर गांव में लाइब्रेरी बनाने का प्रयास : अत्री

उचाना। नगर पालिका उचाना में चल रही आधुनिक लाइब्रेरी में विधायक देवेन्द्र वतरगुज अत्री अचानक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही बेटियों के बीच पहुंचे। विधायक को अपने बीच पाकर बेटियां उत्साहित नजर आईं। इस दौरान बेटियों ने खिना पर्वी-खिना खर्वी के युवाओं को मिल रही सरकारी नौकरियों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक देवेन्द्र वतरगुज अत्री का आभार जताया। बेटियों से स्वरूह होते विधायक अत्री ने घोषणा की कि उनका प्रयास रहेगा कि 2027 के अंत तक उचाना हलके के हर गांव में लाइब्रेरी हो। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी फंड मिलेगा, उससे गांवों में लाइब्रेरी बनवाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आज गरीब परिवारों के ऐसे युवा, जिन्होंने कभी बड़े पढ़ाे पर नौकरी लगने का सपना नहीं देखा था, वे अपनी मेहनत और पढ़ाई के दम पर सरकारी नौकरी हासिल कर रहे हैं। वर्ष 2014 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने खिना पर्वी-खिना खर्वी युवाओं को नौकरी देने की व्यवस्था को आगे बढ़ाया।

सरकार से समाज का हर

वर्ग दु:खी: अमय चौटाला

जुलाना। जुलाना कस्बे की पुरानी अनाज मंडी में इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमय चौटाला मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश और केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधा तथा संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। अमय चौटाला ने कहा कि भाजपा के शासन में महंगाई और अपराध लगातार बढ़े हैं। किसान, व्यापारी, कर्मचारी सहित समाज का हर वर्ग सरकार से प्रेशन हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और उनके अभिभावक भी सरकार की नीतियों से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने और लोगों के बीच लगातार सक्रिय रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने प्रदेश के लाखों लोगों से मुलाकात की है।

हर युवा रक्तदान जरूर करें : तायल

■ गांव रामराये के ब्राह्मण धर्मशाला धोला दरवाजा में रक्तदान शिविर

हरिमूढि न्यूज़ ॥जींद

युवा विकास समिति जींद के द्वारा गांव रामराये के ब्राह्मण धर्मशाला धोला दरवाजा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। युवा विकास समिति जींद के अध्यक्ष एवं जिला युवा पुरस्कार विजेता प्रदीप रेडू ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में मुख्यअतिथि के तौर पर पुष्पा तायल जिला महामंत्री ने शिरकत की और युवाओं को बैज लगा कर हौसला बढ़ाया। युवा विकास समिति जींद के महासचिव विनोद शर्मा ने बताया कि वशिष्ठ अतिथि के तौर पर राममेहर जागलान, मंडल अध्यक्ष



जींद। एचपीवी वैक्सीन को लेकर जागरूक करते स्वास्थ्यकर्मी । फोटो:हरिभूमि

वैक्सीन लगवाने से सर्वाइकल कैंसर का खतरा समाप्त : महेंद्र

हरिमूढि न्यूज़ ॥जींद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामराये के अंतर्गत आने वाले गांव ईकसर में एचपीवी वैक्सीनेशन व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता महेंद्र सिंह ब्लॉक एजुकेटर ने की। जबकि बैठक का आयोजन सुदेश देवी एवं दिनेश कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह ने किशोरियों एवं उनके अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व, इसके लाभ तथा टीकाकरण की आवश्यकता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। महेंद्र सिंह ने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। एचपीवी वैक्सीनेशन इस संक्रमण से बचाव का महत्वपूर्ण माध्यम है। उचित आयु में वैक्सीन लगवाने से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।

अफवाह से बचें

किशोरियों एवं अभिभावकों को समझाया कि एचपीवी वैक्सीन को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांति या अफवाह पर विश्वास नहीं करना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठते पात्र किशोरियों का निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार एचपीवी टीकाकरण करवाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में भी बानीणों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि बेटियों का स्वस्थ, सुरक्षित एवं शिक्षित होना समाज की प्रगति के लिए बेहद जरूरी है। बेटियों को अच्छी शिक्षा, समान अवसर सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाना हर परिवार की जिम्मेदारी है। महेंद्र ने कहा कि किशोरियों के स्वास्थ्य को लेकर अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। वैक्सीनेशन के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा एवं सम्मान पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।



जींद। रक्तदाता को बैज लगाते पुष्पा तायल ।

फोटो:हरिभूमि

मुकुेश, सुरेश शास्त्री, सोनू, राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान, महिपाल विशिष्ट अतिथि सुखबीर ने शिरकत की और रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि गंगाप्रसाद ने की। राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान ने कहा कि रक्तदान की पूर्ति केवल

मुनुष्य के द्वारा ही पूरी की जा सकती है। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करना चाहिए। क्योंकि रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है और शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इसलिए हमें अपने खान-पान पर ध्यान देकर स्वस्थ रहना चाहिए।



शहर को पालवां बस स्टॉप से आने वाला मेन रोड जिसकी विशेष मरम्मत होगी ।

उचाना: सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए टेंडर जारी

उचाना। पीडब्ल्यूडी की ओर से उचाना हलके में सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। इनमें उचाना शहर के वाहन चालकों और राहगीरों की वर्षों पुरानी मांग को भी शामिल किया गया है। पालवां बस स्टॉप से उचाना शहर की तरफ आने वाले लिंक मार्ग (रेलवे रोड) की करीब 900 मीटर सड़क की विशेष मरम्मत करवाई जाएगी। मनोनिर्त पाषंद नरेश सैनीगरी, सतीश मिलल, पंकज करसिंधु व हलवाव ने बताया कि इस सड़क का निर्माण कई वर्ष पहले हुआ था। लंबे समय से सड़क की मरम्मत की मांग की जा रही थी। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब पीडब्ल्यूडी के टेंडर में इस सड़क का शामिल किए जाने से लोगों की मांग पूरी होने जा रही है। उन्होंने कहा कि विशेष मरम्मत होने के बाद सड़क की हालत बेहतर होगी और वाहन चालकों व राहगीरों को आगमन में सुविधा मिलेगी। पीडब्ल्यूडी के एसडीओ वीएन ने बताया कि सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए लगाए गए टेंडरों में उचाना लिंक मार्ग को भी शामिल किया गया है।



नरवाना । बीकै पुजा बहन एवं स्कूल प्रबंधन समिति सदस्य ।

फोटो:हरिभूमि

विद्यार्थियों को नशे की लत से दूर रहने का संदेश दिया

नरवाना। वेदन्ता इंटरनेशनल स्कूल, कनौज इस्ट में बुधवार को प्रार्थना सभा के दौरान एक प्रेरणादायी एवं जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बहमाकुमारी संस्था की टीम ने विद्यार्थियों को नशे एवं किन्नी भी प्रकार की लत से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें सकारात्मक सोच, आत्म-अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बी.के. पूजा बहन रही। उनके साथ बीकै दलवीर एवं बीकै सुभाष की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय की प्रधानाचार्या वीना डारा ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। अतिथियों के विद्यालय आगमन से विद्यार्थियों में भी उत्साह और जिज्ञासा का वातावरण देखने को मिला। इसके बाद कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी चरण आया, जब बीकै पुष्पा बहन ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। सरल, सहज और प्रभावशाली शब्दों में छात्रों को नशे तथा हर प्रकार की बुरी लत से स्वयं को दूर रखने का संदेश दिया।

ख़बर संक्षेप

आरोही विद्यालय के छात्रों ने चमकाया नाम

राजौंद । आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सोंगरी के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। 12 अगस्त को डाइट कैथल में आयोजित प्रतियोगिता का परिणाम हाल ही में घोषित किया गया।कक्षा 6 से 8 वर्ग में मानवी ने स्लोगन लेखन तथा जैस्मिन ने कार्टून मेकिंग में जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। यशवी मान ने पोस्टर मेकिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 9 से 12 वर्ग में नैसी ने स्लोगन लेखन में तृतीय स्थान हासिल किया।

मोटी धान की खरीद 15 से शुरू करने की मांग

पाई। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने सरकार से मोटी धान की सरकारी खरीद एक अक्टूबर की बजाय 15 सितंबर से ही शुरू करने की पुर्जोर मांग की है। किसानों का कहना है कि देरी से खरीद शुरू होने के कारण उन्हें अपनी फसल और-पौने दामों पर बेचनी पड़ती है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होता है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सलाहकार अजीत सिंह हाबड़ो और कार्यकारी अध्यक्ष बलवान पाई, किसान दिनांक सिंह व अन्य साथियों के साथ मिलकर इस समस्या को पुर्जोर तरीके से उठाया।

महिला हुई संदिग्ध

परिस्थितियों में लापता

कैथल। पूंडरी शहर की एक कॉलोनी से महिला घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पूंडरी थाना पुलिस ने महिला के पति को शिकायत पर गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पूंडरी की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी 30 जुलाई को घर से बिना बताए चली गई थी। घर में तलाश करने पर पत्नी के कपड़े और जरूरी कागजात भी गायब मिले। काफी दिनों तक अपने स्तर पर तलाश करने के बावजूद महिला का कोई सुराग नहीं लगा तो अब उसने पुलिस के पास पहुंचकर गुमशुदगी की शिकायत दी है।

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर सम्मान समारोह मनाया

कैथल । वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला की ओर से भगत सिंह भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु के 69 पेंशनर्स एवं फैमिली पेंशनर्स को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में 5 महिलाएं भी शामिल रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान रमेश हरित ने की, जबकि मंच संचालन जिला सचिव जयप्रकाश शास्त्री ने किया। संगठन के राज्य उपप्रधान मास्टर गुलाब सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

5 जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह

पूंडरी। सामाजिक संस्था एक किरण उम्मीद की की मासिक बैठक संस्था अध्यक्ष निधि मोहन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संस्था की आगामी सामाजिक एवं जनसेवा गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान समाज के सहयोग से 5 जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। संस्था अध्यक्ष निधि मोहन ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह 10 मार्च 2027 को रजनी रॉयल गार्डन, पूंडरी में आयोजित किया जाएगा।

नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

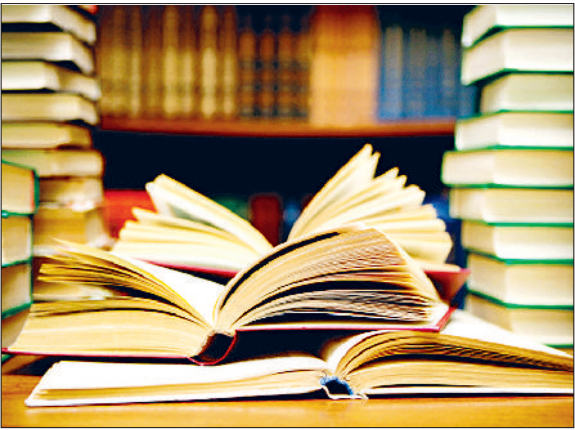
राजौंद । श्री पार्श्वनाथ गुरुकुल राजौंद में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा चलाए जा रहे दस करोड़ नशामुक्ति प्रतिष्ठा महायज्ञ अभियान के तहत नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल अशोक कुमार, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपरिस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी आशा बहान ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

भवन मरम्मत, शौचालय, काउंटर टेबल व इलेक्ट्रिक कार्यों को मिली स्वीकृति

स्वामी विवेकानंद जिला पुस्तकालय के कार्याकल्प के लिए 1.12 करोड़ मंजूर

विद्यार्थियों और पाठकों को मिलेगा अब और बेहतर माहौल

जिले के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में डीसी अपराजिता के प्रयासों से स्वामी विवेकानंद जिला पुस्तकालय, कैथल के भवन की मरम्मत, जीर्णोद्धार तथा इलेक्ट्रिक कार्यों के लिए हरियाणा सरकार द्वारा 1 करोड़ 12 लाख 63 हजार रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। डीसी अपराजिता ने बताया कि उच्च शिक्षा निदेशक, हरियाणा द्वारा जारी आदेशों के तहत पुस्तकालय के कार्याकल्प के



लिए विभिन्न कार्यों को मंजूरी दी गई है। इन कार्यों को लोक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जाएगा। इसमें पुस्तकालय भवन के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 29.19 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।

10.68 लाख रुपये की राशि हुई स्वीकृत

इसी प्रकार पुस्तकालय में शौचालयों के निर्माण, मरम्मत एवं

नवीनीकरण के लिए 10.68 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। वहीं, पुस्तकालय में काउंटर टेबल एवं इंटीरियर से संबंधित कार्यों के लिए 26.98 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। वहीं बिजली से जुड़े आवश्यक कार्यों के लिए 45.78 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इससे पुस्तकालय में विद्युत व्यवस्था को बेहतर एवं सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में तीज एवं रक्षाबंधन उत्सव धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज >> पूंडरी

ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय के प्रांगण में तेजवीर सिंह के आशीर्वाद से तीज एवं रक्षाबंधन उत्सव बड़े हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शकुंतला सिंगला द्वारा तीज की पारंपरिक रस्म के रूप में झूला झूलकर किया गया। इस अवसर पर प्रिलेक लगाकर तीज पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया गया। महाविद्यालय की वरिष्ठतम प्रोफेसर डॉ. अमीता राणा ने छात्राओं को भारतीय शिक्षा, संस्कृति एवं सभ्यता के गौरवशाली मूल्यों से अवगत कराते हुए उनके प्रयासों की भूरि-भूरि सराहना की। कार्यक्रम



पूंडरी । तीज उत्सव के रंग में झूला झूलते स्टाफ सदस्य ।

की कन्वीनर डॉ. वंदना ने मंच का कुशल संचालन करते हुए सभी स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं का स्वागत किया। कार्यक्रम की कन्वीनर डॉ. निधि ने कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष प्रयास किए। उत्सव

के दौरान छात्राओं द्वारा तैयार की गई हैंडमेड राखियों की प्रदर्शनी एवं बिक्री भी लगाई गई, जिसका उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मकता एवं स्वावलंबन को प्रोत्साहित करना था। इसके साथ ही मिठाई एवं चूड़ियों की व्यवस्था भी की गई।

कलायत के प्राचीन कपिल मुनि तीर्थ के संरक्षण को लेकर जन आंदोलन तेज

- धरोहर संरक्षण को लेकर लोक निर्माण विश्राम गृह में खास बैठक

हरिभूमि न्यूज >> कलायत

विश्व पटल पर अपनी प्राचीन पहचान रखने वाले कलायत के श्री कपिल मुनि तीर्थ के संरक्षण और विकास को लेकर जन आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। श्री कपिल मुनि तीर्थ कमेटी के नेतृत्व में 36 बिरादरी के लोगों ने ऐतिहासिक धरोहर को संवारने और इसके गौरव को मजबूत करने में लगे हैं। इसके तहत तहत श्रद्धालुओं और आमजन के सहयोग से तीर्थ परिसर में सफाई एवं विकास कार्यकरवाए जा रहे हैं। श्री कपिल मुनि तीर्थ कमेटी प्रधान राजू कौशिक, उप प्रधान आर.एस धानियां, नंबरदार

सुविधाओं का लिया जायजा



डीसी अपराजिता

बता दें कि डीसी अपराजिता ने कुछ माह पहले स्वामी विवेकानंद जिला पुस्तकालय का दौरा कर वहां विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया था। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय में पढ़ने वाले बच्चों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं के बारे में जाना था। डीसी ने विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध स्टडी केबिन की संख्या बढ़ाने तथा पुस्तकालय भवन की आवश्यक मरम्मत करवाने पर जोर दिया था। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को पुस्तकालय की सुविधाओं में सुधार के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए थे।

गुणवत्ता से नहीं होगा कोई समझौता

डीसी अपराजिता ने कहा कि जिला पुस्तकालय केवल किताबें पढ़ने का स्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का महत्वपूर्ण केंद्र है। पुस्तकालय के भवन और सुविधाओं में सुधार होने से यहां आने वाले विद्यार्थियों को सुविधाजनक अध्ययन वातावरण मिलेगा। सरकार द्वारा बजट स्वीकृत होने से पुस्तकालय का समग्र कार्याकल्प होगा। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों और आम पाठकों को लंबे समय तक इन सुविधाओं का लाभ मिल सके।

सोंगल स्कूल में हुआ युवा संसद कार्यक्रम

राजौंद । सोंगल के राजकीय विद्यालय के प्रांगण में जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य रमेश रावीश ने किया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच मीना देवी व एसएमसी सदस्य मौजूद रहे।जिला स्तर से पहुंचे डाइट के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजकुमार, रतन कुमार तथा राजनीतिक शास्त्र के प्राध्यापक जितेंद्र राठौर ने युवा संसद का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाते हुए संसद की कार्यवाही का प्रभावी प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष ने सरकार की उपलब्धियां गिनाई, जबकि विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, बाढ़, क्षेत्रवाद, जातिवाद शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने आधुनक कैथल से रिपोर्ट और टिप्पणी मांगी थी। विभागीय पत्र के अनुसार निर्धारित समय में जवाब नहीं

- जिला नगर आयुक्त ने सरकारी रिमाइंडर के बावजूद भी नहीं दी रिपोर्ट तो एसीबी ने किया हस्तक्षेप

हरिभूमि न्यूज >> कलायत

कलायत नगर पालिका के अधीन आने वाले सात पार्कों की सुरक्षा के लिए एक वर्ष पहले जारी किए गए करीब 29 लाख रुपए केैं टेंडर कार्य में कथित फर्जी भुगतान से जुड़े मामले ने अब गंभीर रूप ले लिया है। वार्ड नंबर 6 पार्षद प्रदीप राणा की शिकायत पर हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने सादरी स्थानीय निकाय विभाग ने आधुनक कैथल से रिपोर्ट और टिप्पणी मांगी थी। विभागीय पत्र के अनुसार निर्धारित समय में जवाब नहीं

कलायत में न्यायिक परिसर स्थापित होने की जगी उम्मीद



कलायत । उप मंडल प्रशासनिक भवन ।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज >>> कलायत

कलायत उपमंडल में न्यायिक परिसर स्थापित होने की पुरानी मांग को लेकर एक बार फिर उम्मीद जगी है। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कलायत उपमंडल में जल्द न्यायालय स्थापित किए जाने का आश्वासन दिया है। उनके इस आश्वासन से क्षेत्र के अधिकवक्ताओं और आमजन में लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की उम्मीद बढ़ी है। केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जिला कैथल के गांव जड़ौला में संत शिरोमणि गुरु रविदास की प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कैथल स्थित न्यायिक परिसर पहुंचे। उन्होंने जिला बार एसोसिएशन के सभागार में अधिवक्ताओं के साथ न्याय व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार साझा किए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि कलायत

दर्जा होने के बाद भी एपीआरओ कार्यालय की नहीं सुविधा

कलायत को उप मंडल का दर्जा हासिल होने के बाद भी लोक संपर्क विभाग की तरफ से एपीआरओ कार्यालय स्थापित नहीं किया गया है। इससे सरकार की जनहितैषी नीतियों के प्रचार-प्रसार का कार्य अपेक्षाकृत धीमी गति से चल रहा है। सुचना एवं संपर्क के कार्य को रफ्तार देने के लिए उप मंडल के पत्रकारों ने सीएम नाराय सिंह सैनी से एपीआरओ कार्यालय की शुरूआत करने की मांग की है।

उपमंडल में जल्द ही न्यायालय स्थापित किया जाएगा। इस घोषणा को कलायत क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। न्यायालय स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए दूरसे स्थानों पर जाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने मध्यस्थता के माध्यम से पारिवारिक विवादों को कम करने पर भी जोर दिया।

कलायत नगर पालिका में कथित भ्रष्टाचार पर सरकार हुई सख्त



कलायत स्थित नगर पालिका कार्यालय ।

मिलने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों ने भी इस मामले में डीएमसी कार्यालय की जवाबदेही के लिए कार्यवाही आगे बढ़ाई है। मामला नगर पालिका के महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कई अधिकारियों से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पार्कों की सुरक्षा के नाम पर नगर पालिका को वित्तीय नुकसान पहुंचाते हुए ऐसे भुगतान किए गए जिनके एवज में निर्धारित संख्या में सुरक्षा गार्ड

विभागीय विजिलेंस कार्यालय में सुनवाई जारी: सचिव

कलायत नगर पालिका सचिव पवन कुमार के अनुसार सात पार्कों के रखरखाव एवं सिक्योरिटी के करीब 29 लाख रुपये के टेंडर से संबंधित जांच पंचकूला स्थित शहरी स्थानीय निकाय विभाग विजिलेंस कार्यालय द्वारा की जा रही है। सुनवाई के तहत शिकायतकर्ता के साथ-साथ अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा अपना-अपना पक्ष रखा जा रहा है।

मौके पर तैनात नहीं थे। प्रदीप राणा ने बताया कि संबंधित एजेंसी को 22 जुलाई 2025 से 22 जुलाई 2026 तक नगर के सात पार्कों की सुरक्षा का कार्य दिया गया था। इसकी अनुमति राशि करीब 28.93 लाख रुपए तय की गई थी।



पूंडरी । जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी देते प्राचार्य सुशील कुमार ।

एंटी बुलिंग और साइबर हरॉसमेंट को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

पूंडरी। डी.ए.पी. पब्लिक स्कूल पूंडरी में एंटी बुलिंग, साइबर हरॉसमेंट और वर्बल हरॉसमेंट विषय को लेकर कक्षा 8वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य सुशील कुमार ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर अपराधों तथा मानसिक उत्पीड़न से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। प्राचार्य सुशील कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल से साइबर अपराधों की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। सोशल मीडिया, संदेश भेजने वाले एप और ऑनलाइन गेमिंग जैसे माध्यमों से साइबर अपराधों लोगों को परेशान करने या मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को सतर्क और डिजिटल रूप से जागरूक रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी जिजी जानकारी, तस्वीरें या पासवर्ड साझा नहीं करना चाहिए।

राज्य स्तरीय योग एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता शुरू

कैथल। ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को डीएवी मैनेजिंग कमेटी के तत्वावधान में राज्य स्तरीय योग एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न जिलों के डीएवी विद्यालयों से करीब 400 प्रतिभागी पहुंचे। इनमें योग के 240 और टेबल टेनिस के 159 खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं डीएवी खेल हरियाणा तृतीय कन्स्टर की प्रमारी अंजू तलवाड़, डीएवी पब्लिक स्कूल चौका की प्रधानाचार्या अमिता और डीएवी पब्लिक स्कूल सीवन के प्रधानाचार्य रूपिंद वारिया ने दीप प्रज्वलित कर तथा डीएवी गान के साथ किया। इसके बाद प्रधानाचार्या अंजू तलवाड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता में फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, पंचकूला, करनाल, अंबाला, पानीपत, जींद और कुरुक्षेत्र सहित विभिन्न जिलों के डीएवी विद्यालयों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अंजू तलवाड़ ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं।



खबर संक्षेप

48 बोटल हथकड़ी शराब सहित दो आरोपी काबू

राजौड़। चौकी किठाना पुलिस द्वारा दो आरोपियों को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस चौकी किठाना प्रभारी पोएसआई रोहित की अगुवाई में एचसी मुनीष कुमार की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव सिरटा निवासी रामनिवास अपने साथी संदीप निवासी किठाना के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव किठाना की तरफ आ रहा है। सूचना उपरांत पुलिस टीम द्वारा नहरी पटड़ी, खेड़ी बुला रोड पर नाकाबंदी कर बाइक पर सवार आए संदिग्ध दोनों आरोपियों को काबू कर लिया गया।

8.03 ग्राम हेरोइन सहित नशा तस्कर काबू

कैथल। एंटी नारकोटिक सेल कैथल ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 8.03 ग्राम हेरोइन (लिट्टी) सहित नशा किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल कैथल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई जगभान सिंह की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर ढांड की तरफ से नशीला पदार्थ लेकर आ रहा है। पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान पर नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद ढांड की तरफ से मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो उसने मोटरसाइकिल वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस टीम ने काबू कर लिया। जिसकी पहचान भैसी माजरा जिला कुरुक्षेत्र निवासी सुनील कुमार के रूप में हुई।

गांव पीडल में कल रात्रि प्रवास कार्यक्रम

कैथल। जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से रात्रि प्रवास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 24 अगस्त को गुहला ब्लॉक के गांव पीडल में रात्रि प्रवास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सांस्कृतिक गतिविधियों में दिखाई प्रतिभा

राजौड़। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य, कविता पाठ, भाषण सहित विभिन्न प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और रचनात्मक क्षमता को निखारने में सहायक हैं।

बिश्नोई आज करेंगे कार्यकर्ताओं से संवाद

उजाना। भाजपा नेता प्रमोद पालवां ने कहा कि हरियाणा की राजनीति के कद्दावर नेता कुलदीप बिश्नोई 23 अगस्त को जींद के सफरीदौ रोड पर कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे। सफरीदौ रोड स्थित श्याम गार्डन में सुबह 9 बजे स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कुलदीप बिश्नोई जींद जिले के कार्यकर्ताओं से चर्चा एवं मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

देह व्यापार करवाने के आरोप में मां-बेटी के खिलाफ मामला दर्ज

कैथल। शहर के खुराना रोड पर घर में महिलाओं और युवतियों को बुलाकर देह व्यापार मामले ने पुलिस ने मां-बेटी समेत तीन महिला आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शहर थाना की लेडी कार्टेबल शीतल की शिकायत के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि खुराना रोड निवासी वीणा उर्फ मीनाक्षी, उसकी बेटी सुरभि और गीता नामक महिला अपने घर पर महिलाओं को

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए रविवार को भी खुले रहेंगे कॉलेज

शाम पांच बजे तक होगा दस्तावेज का सत्यापन

शाम छह बजे जारी की जाएगी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट

हरिभूमि न्यूज ►►कैथल

मिशन एडमिशन के तहत यूजी प्रथम वर्ष में दाखिले का रविवार को अंतिम दिन है। फिजिकल ओपन काउंसिलिंग के जरिए रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए 23 अगस्त को भी शहर के कॉलेज खुले रहेंगे। रविवार का अवकाश होने के बावजूद उच्चतर शिक्षा विभाग ने कॉलेज प्रबंधन को विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए प्रवेश प्रक्रिया जारी रखने के निर्देश जारी किए हैं। वहीं, पीजी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन भी रविवार शाम 5 बजे तक होगा। इसके एक घंटे बाद शाम 6 बजे प्रोविजनल मेरिट सूची जारी की जाएगी।

राजनीति विज्ञान में 50 सीटों पर 90 आवेदन, अंग्रेजी में 73 पीजी में सबसे ज्यादा आवेदन कुछ प्रमुख पाठ्यक्रमों में आए हैं। एमए राजनीति विज्ञान एंडिड की 50 सीटों के लिए 90 आवेदन, एमए



कैथल। आरकेएसडी कॉलेज में दाखिला लेते युवा।

फोटो : हरिभूमि

11 पाठ्यक्रमों में 1766 दाखिले

उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों अनुसार आरकेएसडी पीजी कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए यूजी प्रथम वर्ष के 11 पाठ्यक्रमों में अब तक 1766 विद्यार्थी दाखिला ले चुके हैं। इसके बावजूद कुछ पाठ्यक्रमों में सीटें रिक्त हैं। इन सीटों को भरने के लिए फिजिकल ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश

दिया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत रिक्त सीटों पर दाखिला ले सकते हैं। कॉलेज में यूजी द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि भी 23 अगस्त निर्धारित है। ऐसे विद्यार्थी भी रविवार को निर्धारित समय के भीतर फीस जमा करवा सकते हैं।

अंग्रेजी एंडिड की 50 सीटों के लिए 73 और एमए इतिहास सेल्फ फाइनेंस की 50 सीटों के लिए 70

आवेदन प्राप्त हुए हैं। एमए हिंदी की 50 सीटों के लिए 44 आवेदन आए हैं।

किसानों व ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी सहकारी सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ►►पुंडरी

ग्राम भाना में करीब 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सहकारी समिति की स्थापना शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। समिति के पुनः संचालन को लेकर गांव में आयोजित उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण पहुंचे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण फेडरेशन लिमिटेड पंचकूला के चेयरमैन देवेंद्र पांचाल रहे। समिति के दोबारा शुरू होने पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा तथा



पुंडरी। 20 साल बाद दोबारा शुरू हुई सहकारी समिति का उद्घाटन करते चेयरमैन देवेन्द्र पांचाल।

फोटो : हरिभूमि

चेयरमैन देवेंद्र पांचाल का आभार जाता। ग्रामीणों ने कहा कि करीब 2 दशक बाद गांव में सहकारी समिति की सुविधा बहाल होने से किसानों

और आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा। अब उन्हें सहकारी सेवाओं से जुड़े कार्यों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा।

बैंक ऑफ इंडिया ने किया विद्यार्थियों का सम्मान



हरिभूमि न्यूज ►►नरवाना

हनुमान नगर स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा द्वारा विद्यालय के लगभग 15 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को प्रोत्साहित करते हुए बैंक की ओर से उन्हें स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विद्यालय द्वारा भी

समय-समय पर प्रतिभाशाली एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है। इसके साथ-साथ जब भी किसी बाहरी संस्था द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, विद्यालय के विद्यार्थी उनमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। ऐसे आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से भी सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाता है।

पुराना थाना मार्केट में नहीं बिछाई पेयजल पाइप लाइन, दुकानदारों ने किया प्रदर्शन

दुकानदारों और महिलाओं को हो रही परेशानी, जनस्वास्थ्य विभाग के खिलाफ की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ►►जुलाना

जुलाना कस्बे की पुराना थाना मार्केट में जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से पेयजल सप्लाई की नई पाइप लाइन नहीं बिछाए जाने से दुकानदारों और महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले करीब आठ माह से बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इससे लोगों में विभाग के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। शनिवार को मार्केट के दुकानदारों ने

महिला सुरक्षा व न्याय व्यवस्था का लिया जायजा

महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने जींद का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार जिला जींद के दौरे पर पहुंचीं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने अस्पताल एवं महिला पुलिस थाना का निरीक्षण कर महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इसके साथ ही उन्होंने उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर जिले में महिलाओं से जुड़े मामलों, सुरक्षा व्यवस्था तथा महिला हितों से संबंधित विषयों पर चर्चा की। जींद आगमन पर भाजपा



जींद। उपाध्यक्ष मीना परमार का स्वागत करते हुए।

फिजिकल काउंसिलिंग में भाग लेने का आज आखिरी मौका

महाविद्यालयों में रिक्त हैं 20 प्रतिशत सीटें

हरिभूमि न्यूज ►►जींद

जिले के विभिन्न कालेजों में यूजी कोर्स में खाली सीटों पर दाखिले के लिए रविवार को फिजिकल काउंसिलिंग में भाग लेने के लिए आखिरी मौका है। अभी भी कालेजों में 20 प्रतिशत सीट खाली हैं। यूजी कोर्स में दाखिले के लिए 22 जुलाई को पहली मेरिट सूची जारी हुई थी। जिन विद्यार्थियों का नाम पहली मेरिट लिस्ट में आया था, उनके पास 23 जुलाई से चार अगस्त तक फीस जमा करवाने का समय था। इसके साथ ही चार अगस्त को उच्चर शिक्षा विभाग द्वारा दाखिले के लिए दूसरी मेरिट सूची जारी की गई थी। जिन विद्यार्थियों का नाम दूसरी मेरिट सूची में आया था, उनके पास सात अगस्त तक फीस जमा करवाने का समय था। दोनों मेरिट सूची के बाद कालेजों में बची खाली सीटों पर फिजिकल काउंसिलिंग चली। दूसरी मेरिट लिस्ट के बाद खाली बची सीटों पर दाखिले के लिए आठ अगस्त से फिजिकल काउंसिलिंग शुरू हुई। नौ अगस्त को उच्चर शिक्षा विभाग द्वारा दोबारा से पोर्टल खोला गया था जिसमें विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन और पहले वाले आवेदन में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते थे। इसके बाद सात से 10 से 16 अगस्त तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले हुए। इसके बाद 17 से 23 अगस्त तक पहले वाले 100 रुपये और हर रोज 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले हो रहे हैं। ऐसे

1341 दाखिले हुए

राजकीय पीजी कालेज के प्रचार्य डा. सत्यवान मलिक ने बताया कि उनके कालेजों में अलग-अलग संकायों में निर्धारित 1770 सीटों में से 1341 सीटों पर दाखिला हो चुका है और 429 सीटें खाली हैं। बीए कला संकाय में 12, बीए इकोनॉमिक्स में एक, बीकॉम में 54, बीसीए में एक, बैचलर आफ साइंस इन लाइफ साइंस में 32, बैचर आफ साइंस इन फिजिकल साइंस में 269, बैचर आफ साइंस विद मेजर इन कैमिस्ट्री में 20, बैचर आफ साइंस विद मेजर इन मैथ में 19 और बैचर आफ साइंस विद मेजर इन फिजिक्स में 21 सीटें खाली बची हुई हैं।

इतनी सीटें हैं रिक्त

राजकीय महिला कालेज के प्रचार्य डा. शमशेर सिंह ने कहा कि बीए कला संकाय में 19, बीए इंग्लिश में 24, बीए उद्योगाफी में आठ, बीकॉम में 125, बैचर आफ साइंस इन फिजिकल साइंस में 122, बैचर आफ साइंस विद मेजर इन मैथ में 22, बैचर ऑफ साइंस विद मेजर इन फिजिक्स में 20 सीटें खाली बची हुई हैं। उनका कहना है कि 23 अगस्त को विद्यार्थी कालेज में होने वाली फिजिकल काउंसिलिंग में भाग लेकर अपना दाखिला सुनिश्चित करें।

में विद्यार्थियों के पास फिजिकल काउंसिलिंग में भाग लेने के लिए रविवार को आखिरी मौका है। बता दें कि जिलेभर के 17 राजकीय व निजी कालेजों में लगभग साढ़े 10 हजार सीट हैं। शुरुआत में कालेजों में निर्धारित सीटों पर दो से तीन गुना आवेदन आए।

ये रही मौजूदगी

भाजपा महिला मोर्चा जिला जींद की ओर से मीना परमार के सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल को मनोकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया गया कि उनके नेतृत्व में महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष योगिता भारद्वाज, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीरज गोस्वामी, नगर परिषद चेयरपर्सन अनुप्राधा येनी जी विशेष रूप से उपस्थित रही।

निवारण को प्राथमिकता मिलेगी तथा जरूरतमंद महिलाओं को न्याय सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

निर्वाचन पंजीयन अधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण



जींद। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चल रहे दावे एवं आपत्तियों के कार्य की प्रगति एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शनिवार को निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने 36 जींद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के हैबतपुर, पिंडारा समेत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित बीएलओ अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर उपस्थित पाए गए तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करते हुए मिले।

एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने कहा कि 23, 29 व 30 अगस्त 2026 को शनिवार व रविवार के दिन विशेष अभियान के तहत संबंधित बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर प्रातः नौ बजे से सायं पांच बजे तक उपस्थित रहेंगे। कोई भी मतदाता इन तिथियों को भी अपनी मतदाता सूची संबंधी कार्यों के लिए संबंधित बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने सभी सुपरवाइजर को निर्देश दिए कि वे अपने अधीन संबंधित सभी बीएलओ को उपस्थिति की जांच करना सुनिश्चित करें।

बन रही सड़कें और गलियां

इसके अलावा दबलैन फाटक पर रेलवे पुल, शहर का सैवररेज सिस्टम, ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बूस्टिंग स्टेशन तथा दर्जनों सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी रेट्ट हाउस में जन समस्याएं सुन रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि वर्तमान वित्त वर्ष में नगर परिषद के अंतर्गत शहर में 46 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनेक विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी, पब्लिक हेल्थ, बिजली विभाग, विकास एवं पंचायत विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत भी लगातार क्षेत्र में विकास कार्य निर्माणाधीन हैं। गांव वर गांव सर्वसमाज की चौपाल, गली, खेत खलियान के अंतर्गत खेतों के रास्तों का भी निर्माण कार्य बढतूर जारी है।

निष्पक्ष तरीके से हो रहा काम

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष तरीके से पूरा प्रदेश में बराबर विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। नरवाना को भी इसका भरपूर फायदा मिलना लाजिमी है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उनका सपना नरवाना को शिक्षित, सुरक्षित और विकसित क्षेत्र के रूप में स्थापित करना है और विकास के इसी संकल्प को पूरा करने के लिए वे पूरी सिद्धत के साथ काम कर रहे हैं। इस अवसर पर बलदेव कांगड़ा, चेयरमैन मार्केट कमेटी अमित दाकल, मंडल अध्यक्ष दिनेश गोयल, कैबिनेट मंत्री के निजी सहायक मनोज कुमार, मीडिया प्रभारी संजय बह्मरा, जसवीर नैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पीडब्ल्यूडी रेट्ट हाउस में नागरिकों से मिले, कहा-पूरे प्रदेश में समान रूप से चल रहे विकास कार्य

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने लोगों से पूछीं समस्याएं, बोले विकास की राह पर किसी से कम नहीं रहेगा नरवाना हलका

शहर में 46 करोड़ से अधिक के करवाए जा रहे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ►►नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि चहुमुखी प्रगति के मामले में नरवाना हल्का किसी से पीछे नहीं रहेगा और विकास की प्रक्रिया अब निरंतरता और तीव्र गति के साथ बनी रहेगी। क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी रेट्ट हाउस की अतिरिक्त बिल्डिंग, धमतान फाटक पर रेलवे पुल, बाबा गैबी



नरवाना। रेट्ट हाउस में लोगों से मिलते कैबिनेट मंत्री।

फोटो : हरिभूमि

साहिब मंदिर के नवीनीकरण जैसे परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है।

धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सव

केरल का बहुरंगी महापर्व ओणम

फूलों की रंगोलियों से सजे आंगन, सर्प नौकाओं की रोमांचक दौड़, लोकनृत्यों की थिरकन और केले के पते पर परोसा गया ओणसदा। ओणम में केरल की संस्कृति अपने सबसे जीवंत रूप में नजर आती है। राजा बलि की पौराणिक गाथा से जुड़ा यह पर्व आस्था, प्रकृति से जुड़ाव, परंपरा, सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता का अद्भुत संगम है। विगत सप्ताह आरंभ हो चुके इस सांस्कृतिक उत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

पर्वल्लास / धीरज बसाक

यदि उत्तर भारत में होली, रंगों का उत्सव है, पश्चिम भारत में गुजरात का नवरात्र लोकनृत्यों का उत्सव है और पश्चिम बंगाल की दुर्गा पूजा आस्था का विराट आयोजन है, तो कह सकते हैं

इन सभी रंगों और उत्सवों के महासंगम जैसा है-ओणम। दस दिनों तक मनाए जाने वाले इस पर्व के दौरान पूरा केरल मानो एक विशाल सांस्कृतिक रंगमंच में बदल जाता है- जहां फूलों की रंगोलियां (पुक्कलम), सर्प नौकाओं की रोमांचक दौड़, कथकली और पुलिकली जैसे लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत, सामूहिक भोज (ओणसदा) तथा महाबलि की लोकगाथा, ये सब मिलकर एक अद्भुत उत्सवी वातावरण रचते हैं। दस दिनों तक मनाए जाने वाले ओणम का अंतिम उत्सव दिन इस साल 26 अगस्त को संपन्न होगा।

भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान: ओणम केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है बल्कि यह केरल की लोककला, सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महा उत्सव भी है। शायद यही कारण है कि ओणम आज केरल की सीमाओं से निकलकर भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान का हिस्सा हो चुका है, जहां उत्सव केवल मनाया नहीं जाता बल्कि जीवन का हिस्सा बन जाता है।

पर्व मनाने की पौराणिक मान्यता: पौराणिक मान्यता के अनुसार एक समय में केरल में राजा महाबलि का शासन हुआ करता था। महाबलि बेहद न्यायप्रिय, दयालु और प्रजावत्सल शासक थे। कहा जाता है कि उनके राज्य में कोई गरीब नहीं था। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होता था और सभी लोग सुखी थे। देवताओं के आग्रह पर भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण कर महाबलि की दयालुता और दानवीरता की परीक्षा लेने



पारंपरिक वेशभूषा में ओणम मनाते स्थानीय कलाकार

हेतु तीन पग भूमि मांगी। जब महाबलि ने कहा आप नाप लें, तो वामन के अवतार में भगवान विष्णु ने दो पगों में पृथ्वी और आकाश को नाप लिया और अब तीसरे पग के लिए कहीं कोई जगह नहीं थी, तो महाबलि ने अपना सिर प्रस्तुत कर दिया। इस पर भगवान विष्णु ने बलि की भक्ति और त्याग से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिया कि वह वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने आया करेंगे। वास्तव में ओणम का उत्सव उनके आगमन की खुशी का उत्सव है। यह पौराणिक कथा केवल धार्मिक आस्था की नहीं बल्कि आदर्श शासन-व्यवस्था, समानता, न्यायप्रियता, त्याग और जनकल्याण का संदेश देती है।

हर दिन होता है कुछ खास: ओणम की शुरुआत में सबसे पहले घरों के आंगन में फूलों की



ओणम की सांस्कृतिक पहचान है सर्प नौका दौड़

रंगोलियां बनाई जाती हैं। प्रत्येक दिन रंग-बिरंगे फूलों से सजने वाली यह रंगोली प्रकृति के प्रति प्रेम और सौंदर्यबोध का प्रतीक है। फूलों की इन रंगोलियों को यहां की स्थानीय भाषा में पुक्कलम कहा जाता है। ओणम के दौरान पारंपरिक नृत्य तिरुवात्तराकली, कुम्माट्टिकली, पुलिकली (बाघ नृत्य) और कथकली की प्रस्तुतियां पूरे राज्य में आकर्षण का केंद्र बनती हैं। लोकगीतों की मधुर धुनों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज से इस दौरान केरल के गांव और शहर झूम उठते हैं। इसी समय होने वाली केरल की प्रसिद्ध वल्लमकली (सर्प नौका दौड़) तो विश्व भर में ओणम की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बन चुकी है। इन लंबी-लंबी नौकाओं के अगले सिरे सांप के फन जैसे होते हैं। इनमें सैकड़ों नाविक एक साथ पूरे तालमेल

के साथ चप्पू चलाते हैं। यह केवल प्रतियोगिता नहीं है बल्कि सामूहिकता, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन है।

धार्मिक-सामाजिक समभाव का पर्व: ओणम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी एक धर्म या एक समुदाय का पर्व नहीं है। केरल में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदाय के लोग भी इसे पूरे सम्मान और उत्साह से मनाते हैं। ओणम का महत्वपूर्ण सामाजिक पक्ष यह है कि यह वर्ग, जाति और धर्म की सीमाओं को पीछे छोड़कर लोगों को एक सूत्र में बांधता है। दस दिनों के इस उत्सव में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं, सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं और सामूहिक भोज का आनंद उठाते हैं। यही कारण है कि ओणम को सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता का भी महापर्व कहा जाता है।

सबके साथ ओणसदा का आनंद: ओणम का जिक्र ओणसदा के बिना अधूरा है। केले के पते पर परोसा जाने वाला यह पारंपरिक भोज केवल भोजन नहीं है, यह केरल की पाक संस्कृति का भी उत्सव है। इसमें अनेक प्रकार की सब्जियां, सांभर, अलियल, ओणम, थोरण, अचार, पापड़ और अंत में पायसम परोसा जाता है। इस भोजन की विशेषता यह होती है कि इसमें स्वाद के साथ संतुलित पोषण और सामूहिक भोजन की भावना भी शामिल होती है। परिवार व मित्र एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, जिससे आपसी संबंध और मजबूत होते हैं।

कृषि-प्रकृति से संबंध का प्रतीक: ओणम चूँकि वर्षा ऋतु के बाद अच्छी फसल आने की

खुशी का पर्व है, इसलिए इसका गहरा संबंध कृषि और प्रकृति से भी है। इस पर्व में की जाने वाली फूलों की सजावट, हरियाली, नई फसल और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान इस पर्व की प्रमुख विशेषता है। आज जब पर्यावरण संरक्षण पूरी दुनिया की चिंता बन चुका है, तब ओणम हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। *

एक सवाल हम सभी को अकसर परेशान करता है कि अगर हम आगे बढ़ना चाहते हैं, प्रगति के साथ सकारात्मक बदलाव करना चाहते हैं तो फिर अपनी जिंदगी में मनचाहा बदलाव क्यों नहीं ला पाते हैं? इसका जवाब हमें ठहरकर अपने भीतर ही खोजना होगा।



आप अपनी जिंदगी में क्यों नहीं बढ़ पा रहे आगे

सेल्फ मोटिवेशन
जोगिंदर रोहिल्ला

हम में बहुत से लोग गोल डिसाइड करते हैं। प्लान बनाते हैं। मोटिवेशन की किताबें पढ़ते हैं। अफमेशन करते हैं और अपने भविष्य को विजुअलाइज भी करते हैं। फिर भी जाने क्यों हम वो अचीव नहीं कर पाते हैं। तब अकसर हम दूसरे लोगों को, भाग्य को और परिस्थितियों को दोष देना शुरू करते हैं। सवाल है आखिर हमें आगे बढ़ने से रोकता क्या है?

सोच को रखें पॉजिटिव: डॉ. जो डिस्पेंजा की किताब 'बीकमिंग सुपरनेचुरल' इस बारे में जिंदगी को थोड़ा अलग नजरिए से देखने के लिए प्रेरित करती है। इसमें व्यक्त किया गया एक विचार खासतौर पर ध्यान खींचता है। इसके अनुसार, हमारे विचार और हमारी भावनाएं (इमोशन) हमारे शरीर से गहराई से जुड़ी हुई होती हैं। विचार, भावना को प्रभावित करता है। भावना फिर विचार को प्रभावित करती है। और यह चक्र चलता रहता है। बार-बार ऐसा होने पर यह हमारे लिए जाना-पहचाना बन जाता है। हमारा दिमाग उस पैटर्न को पहचानने लगता है और हम बिना सोचे उसी तरह प्रतिक्रिया देने लगते हैं। वही डर, वही चिंता, वही प्रस्ट्रेशन और वही आत्म-संदेह। वास्तव में हम अपनी जिंदगी को सचेत होकर नहीं जी रहे होते हैं। हम सिर्फ वही दोहरा रहे होते हैं, जो हमारे लिए जाना-पहचाना बन चुका है। इसी विचार को दूसरी कुछ किताबें भी अलग-अलग तरीके से सामने रखती हैं। शक्ति गॉवेन की 'क्रिएटिव विजुअलाइजेशन' में बताया गया है कि जब हम अपने लक्ष्य और उस जीवन की एक स्पष्ट तस्वीर अपने मन में बनाते हैं, तो वह हमारी सोच और हमारे कार्र करने के तरीके को प्रभावित कर सकती है। 'द सीक्रेट' किताब ने भी जीवन में सफल होने के लिए विचारों, विश्वास और उम्मीदों के प्रभाव को लोकप्रिय बनाया। वहीं नेपोलियन हिल की 'थिंक एंड

ग्रे रिच' किताब, इच्छा, कल्पना और स्पष्ट उद्देश्य की ताकत पर जोर देती है। सबका सार यही है कि हम जिस दिशा में बार-बार अपने विचार और एनर्जी लगाते हैं, वह हमारी जिंदगी को प्रभावित करने लगती है।

अपना कॉन्सेप्ट रखें क्लीयर: एक जरूरी बात यह भी है कि सिर्फ सकारात्मक सोच काफी नहीं है। आप सुबह कह सकते हैं, 'मेरी जिंदगी बदल रही है।' लेकिन अगर अगले दस घंटे आप चिंता करते रहें, शिकायत करते रहें, खुद पर संदेह करते रहें और हर चीज के गलत होने की कल्पना करते रहें, तो उस सोच का कोई फायदा नहीं होगा। सवाल यह है कि आप वास्तव में खुद के किस रूप की प्रैक्टिस कर रहे हैं? उस व्यक्ति की, जो अब तक दुख, डर को दोहराता आ रहा है या उस इंसान की, जो आप बनना चाहते हैं?

बदलाव के प्रति रहें दृढ़: ट्रांसफॉर्मेशन कुछ हद तक एक तितली की लाइफ साइकिल जैसा होता है। एक कैटरपिलर को तितली बनने के लिए अपने पुराने रूप को छोड़ना पड़ता है। वह हमेशा कैटरपिलर बने रहकर तितली नहीं बन सकता। शायद इंसानों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। हमारी बाहरी जिंदगी



बदलने से पहले कई बार हमारे भीतर कुछ बदलना जरूरी होता है। इसलिए जब भी लगे कि मैं किसी नकारात्मक विचार के चक्र में जा रहा हूँ तो रुककर खुद से एक सवाल पूछिए, 'क्या यह विचार मुझे उस इंसान के करीब ले जा रहा है, जो मैं आगे बनना चाहता हूँ?' **एनर्जी को दें सही दिशा:** एक पुरानी बौद्ध शिक्षा हमें याद दिलाती है, 'हम जैसा सोचते हैं, धीरे-धीरे वैसे ही बनते जाते हैं।' आपका बदलाव उस समय शुरू होगा, जब आप उन विचारों, भावनाओं और आदतों को पहचानना शुरू करेंगे, जो आपको पीछे खींच रहे हैं और सचेत होकर उस इंसान की प्रैक्टिस करना शुरू करेंगे, जो आप बनना चाहते हैं। अगर आप अपनी जिंदगी बदलना चाहते हैं, तो शुरुआत नए विचार और नई भावना से करनी होगी। आपका बदलाव बाहर नहीं आपके भीतर, आपके विचार में ही छिपा हुआ है। *

माई-बहन के स्नेह के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन को लेकर कई पौराणिक-ऐतिहासिक कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन हाल के वर्षों में इस रिश्ते को गहन अर्थ देने वाली, कई ऐसी मार्मिक घटनाएं सामने आईं, जो अपने-आप में मिसाल हैं।

दिल को छूने वाले राखी के अनोखे किस्से



शिवम मिस्त्री को राखी बांधती अनामता अहमद



साठ साल बाद अपने भाइयों से मिली बलेश देवी

कुछ अलग
शिखर चंद जैन

रक्षाबंधन सिर्फ एक राखी या रेशमी धागा बांधने की रस्म भर नहीं, बल्कि मन से जुड़ा बंधन होता है। यह सिर्फ सगे भाई-बहन के बीच नहीं, किसी भी उस शख्स या चीज से स्नेह को दर्शाता है, जिससे भाई की अनुभूति मिलती है। ऐसी ही कुछ घटनाओं के बारे में जानिए।

अंगदान से मिला नया भाई: साल 2025 में अंगदान की एक बड़ी ही भावुक सच्ची घटना सामने आई। 9 साल की एक बच्ची रिया को डॉक्टरों ने ब्रेन-डेड घोषित कर दिया था। रिया के माता-पिता ने एक बेहद साहसिक फैसला लेते हुए उसके अंग दान कर दिए। रिया का हाथ ऑर्गन ट्रांसप्लान्ट के जरिए एक लड़की अनामता अहमद को लगाया गया। 8 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के त्योहार पर, अनामता करीब 200 किलोमीटर का सफर तय करके रिया के घर पहुंची। वहां उसने रिया के सगे भाई शिवम मिस्त्री की कलाई पर उसी हाथ से राखी बांधी, जो कभी उसकी बहन का हुआ करता था। हुआ यह कि मुंबई के गोरगांव की रहने वाली 16 वर्षीय अनामता अहमद ने साल 2022 में बिजली के करंट की चपेट में आने से अपना दाहिना हाथ



सैनिकों के लिए राखियां बनाती स्कूली छात्राएं

खो दिया था। सितंबर 2024 में गुजरात के वलसाड की 9 वर्षीय मासूम बच्ची रिया मिस्त्री को डॉक्टरों ने ब्रेन-डेड घोषित कर दिया था। वलसाड की 'डोनेट लाइफ' एनजीओ की काउंसिलिंग के बाद रिया के माता-पिता ने उसके अंग दान कर दिए। ग्रीन कोरिडोर के जरिए रिया का दाहिना हाथ मुंबई लाया गया और ग्लोबल हॉस्पिटल पर अनामता को ट्रांसप्लान्ट किया गया।

मोडिया की मदद से पुरानी कड़ियों को जोड़ा गया और दोनों परिवारों की पहचान सुनिश्चित की गई। 9 अगस्त 2025 को यह मामला खबरों में आया। **सैनिकों के लिए लाखों राखियां:** देश की सहरदों पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाले भारतीय सेना के जवानों को घर की कमी महसूस न हो, इसके लिए दिल्ली के कई स्कूलों के छात्रों ने मिलकर कुछ वर्ष पहले एक अनोखी मुहिम चलाई के प्रयासों और सोशल मीडिया की मदद से पुरानी कड़ियों को जोड़ा गया और दोनों परिवारों की पहचान सुनिश्चित की गई। 9 अगस्त 2025 को यह मामला खबरों में आया। **सैनिकों के लिए लाखों राखियां:** देश की सहरदों पर चौबीसों घंटे तैनात रहने वाले भारतीय सेना के जवानों को घर की कमी महसूस न हो, इसके लिए दिल्ली के कई स्कूलों के छात्रों ने मिलकर कुछ वर्ष पहले एक अनोखी मुहिम चलाई

विशेष : रक्षाबंधन
28 अगस्त

थी। बच्चों ने अपने हाथों से तरह-तरह की सुंदर राखियां और उनके साथ सैनिकों के नाम शुभकामना संदेश लिखे। देखते ही देखते यह संख्या 72000 तक पहुंच गई। इसके अलावा तमिलनाडु का करूर जिला इस अभियान का मुख्य केंद्र बना। तमिलनाडु के करूर स्थित भरनी पार्क शिक्षण संस्थान के करीब 3000 छात्र-छात्राओं ने मिलकर 75000 से अधिक हस्तनिर्मित राखियां तैयार की थीं। इन राखियों की विशेषता यह थी कि इनमें से कई पर प्राचीन तमिल ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' के श्लोक छपे थे। इस तरह जब करीब 1.5 लाख राखियां एकत्रित हो गईं तो इसकी जानकारी तत्कालीन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई। उन्होंने 6 अगस्त 2022 को एक विशेष चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करवाई। रक्षा मंत्रालय ने इन राखियों को तीनों सेना प्रमुखों (थलसेना, नौसेना, वायुसेना) के जरिए सियाचिन ग्लेशियर,

थी। बच्चों ने अपने हाथों से तरह-तरह की सुंदर राखियां और उनके साथ सैनिकों के नाम शुभकामना संदेश लिखे। देखते ही देखते यह संख्या 72000 तक पहुंच गई। इसके अलावा तमिलनाडु का करूर जिला इस अभियान का मुख्य केंद्र बना। तमिलनाडु के करूर स्थित भरनी पार्क शिक्षण संस्थान के करीब 3000 छात्र-छात्राओं ने मिलकर 75000 से अधिक हस्तनिर्मित राखियां तैयार की थीं। इन राखियों की विशेषता यह थी कि इनमें से कई पर प्राचीन तमिल ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' के श्लोक छपे थे। इस तरह जब करीब 1.5 लाख राखियां एकत्रित हो गईं तो इसकी जानकारी तत्कालीन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी गई। उन्होंने 6 अगस्त 2022 को एक विशेष चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करवाई। रक्षा मंत्रालय ने इन राखियों को तीनों सेना प्रमुखों (थलसेना, नौसेना, वायुसेना) के जरिए सियाचिन ग्लेशियर,



वृक्ष रक्षाबंधन मनाती महिलाएं

लद्दाख, जैसलमेर और सिक्किम जैसे अत्यंत दुर्गम सीमावर्ती इलाकों में तैनात जवानों तक एयरलिफ्ट के माध्यम से पहुंचाने की जिम्मेवारी ली और उसे वहां तक पहुंचाया भी गया। **पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष-रक्षाबंधन:** ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर संकट और तेजी से कटते जंगलों के बीच पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देश के कई राज्यों (विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों) में 'वृक्ष रक्षाबंधन' की शुरुआत हुई। बिहार में 13 अगस्त 2012 से तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी शुरुआत की थी। तब से यहां रक्षाबंधन के दिन लोग जंगलों और अपने आस-पास के पार्कों में जाते हैं और पेड़ों को बड़े-बड़े रक्षासूत्र (राखियां) बांधते हैं। लोग इन पेड़ों को अपना भाई मानकर इनकी रक्षा करने और इन्हें कभी न काटने का संकल्प लेते हैं। ग्रामीण महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग जंगलों में जाकर देवदार, पीपल, बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर हल्दी-मौली और सूती धागों से बनी विशाल राखियां बांधते हैं। उन्हें अपना 'वन-भाई' मानकर उनके संरक्षण की शपथ ली जाती है। पेड़ों की अंशायुध कटाई को रोकने के लिए पर्यावरणविदों और वन विभाग के सहयोग से यह मुहिम अब एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। *

सिने डेंड
अशोक जोशी

भा रतीय परिवार व्यवस्था में भाई-बहन का रिश्ता अनोखा और प्यारा होता है। बचपन में जहां इसमें नोक-झोंक होती है, वहीं उम्र बढ़ने के साथ यह रिश्ता भावनात्मक सहारे में बदल जाता है। हिंदी फिल्मों ने इस रिश्ते के अलग-अलग रंगों को पर्दे पर प्रस्तुत किया है। कहीं भाई, बहन की रक्षा के लिए सब कुछ छोड़ देता है, कहीं बहन-भाई के लिए वर्षों तक संघर्ष करती है और कहीं दोनों एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त बनकर सामने आते हैं।

बीते दौर की फिल्मों में भाई-बहन का रिश्ता: पुरानी हिंदी फिल्मों में भाई-बहन का रिश्ता प्रायः परिवार की भावनात्मक धुरी के रूप में दिखाई देता था। 'छोटी बहन' (1959) और 'राखी' (1962) जैसी फिल्मों ने भाई-बहन के स्नेह, जिम्मेदारी और त्याग को प्रमुखता दी। इन फिल्मों में परिवार केवल कहानी की पृष्ठभूमि नहीं था, परिवार ही कहानी का मूल भाग था। 'बड़ी बहन' (1949), 'मंझली दीदी' (1967) जैसी फिल्मों में भी यह भाव देखने को मिलता है।

सत्तर और अस्सी के दशक में सामाजिक संघर्ष तथा व्यावसायिक सिनेमा के प्रभाव के साथ भाई की भूमिका अकसर 'रक्षक' के रूप में उभरकर सामने आई। बहन की सुरक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष करना भाई के चरित्र की पहचान बन गया। लेकिन इसी दौर में और बाद के दशकों में आई कुछ फिल्मों ने भाई-बहन के रिश्ते के दूसरे पक्षों को भी सामने रखा।

भाई-बहन की कुछ अलग कहानी 'हरे रामा हरे कृष्णा': साल 1971 में देव आनंद और जीतन अमान अभिनीत फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' बदलते सामाजिक वातावरण, पश्चिमी प्रभाव, नशे और हिंसा संस्कृति के बीच एक भाई द्वारा अपनी बहन को वापस पाने के प्रयास की मार्मिक कहानी थी। भाई-बहन के बीच बचपन का स्नेह, परिस्थितियों के कारण बिछोह में बदल जाता है और फिर भाई अपनी बहन को उस दुनिया से निकालने के लिए संघर्ष करता है, जिसमें वह फंस चुकी है।

इस फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें भाई अपनी बहन का केवल 'रक्षक' नहीं है, वह उसके अतीत, उसकी पीड़ा और उसकी पहचान को समझने की कोशिश करता है। फिल्म का लोकप्रिय गीत 'फूलों का तारों का, सबका कहना है, एक हजारों में मेरी बहना है' तो हिंदी सिनेमा में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक बन चुका है। आज भी यह गीत राखी के अवसर पर उसी आत्मीयता से सुना जाता है। **संयुक्त परिवार में भाई-बहन का प्यार 'हम**

भाई-बहन के शाश्वत रिश्ते को केंद्र में रखकर या इसके इर्द-गिर्द बुनी गई कहानियों और वास्तविकताओं पर हर दौर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। भाई-बहन के स्नेह भरे रिश्ते के विविध आयामों को दर्शाती कुछ फिल्मों पर एक नजर।

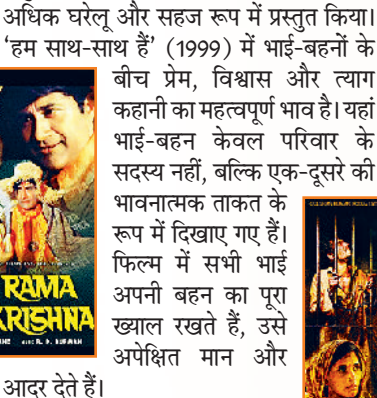
हर दौर की फिल्मों में रची गई भाई-बहन के रिश्ते की दास्तान



साथ-साथ हैं': नब्बे के दशक में सिनेमा ने संयुक्त परिवार और भाई-बहन के रिश्ते को अधिक घरेलू और सहज रूप में प्रस्तुत किया। 'हम साथ-साथ हैं' (1999) में भाई-बहनों के बीच प्रेम, विश्वास और त्याग कहानी का महत्वपूर्ण भाग है। यहां भाई-बहन केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भावनात्मक ताकत के रूप में दिखाए गए हैं। फिल्म में सभी भाई अपनी बहन का पूरा खयाल रखते हैं, उसे अपेक्षित मान और



साथी बने रहते हैं। यह फिल्म बदलते दौर की बदलती पारिवारिक संरचना के बीच भाई-बहन के भरोसे, स्नेह और आपनेपन को सामने लाती है।



आदर देते हैं। **सुरिखल वक्त में भाई के साथ खड़ी किसी की कहानी 'माय ब्रदर... निरिखल':** नई सदी में भाई-बहन के रिश्ते की परिभाषा और विस्तृत हुई। अब बहन केवल भाई की सुरक्षा की जिम्मेदारी वाला पात्र नहीं रही। वह उसकी मित्र, विश्वासपात्र और संचर्ष की साथी भी बनी। 'माय ब्रदर... निरिखल' (2005) इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। फिल्म में बहन अपने भाई के कठिन दौर में उसके साथ जिस मजबूती से खड़ी रहती है, वह भाई-बहन के रिश्ते में समानता और भावनात्मक साझेदारी

को बहुत प्रभावी तरीके से सामने लाता है। **आधुनिक शहरी संदर्भ में भाई-बहन का रिश्ता 'दिल धड़कने दो':** साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दिल धड़कने दो' में भी भाई-बहन का रिश्ता आधुनिक उच्चवर्गीय शहरी परिवार के संदर्भ में दिखाई देता है। दोनों अपने परिवार की अपेक्षाओं और व्यक्तिगत इच्छाओं के बीच संघर्ष करते हुए एक-दूसरे के भरोसेमंद भावनात्मक ताकत के रूप में दिखाए गए हैं।



आदर देते हैं। **सुरिखल वक्त में भाई के साथ खड़ी किसी की कहानी 'माय ब्रदर... निरिखल':** नई सदी में भाई-बहन के रिश्ते की परिभाषा और विस्तृत हुई। अब बहन केवल भाई की सुरक्षा की जिम्मेदारी वाला पात्र नहीं रही। वह उसकी मित्र, विश्वासपात्र और संचर्ष की साथी भी बनी। 'माय ब्रदर... निरिखल' (2005) इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। फिल्म में बहन अपने भाई के कठिन दौर में उसके साथ जिस मजबूती से खड़ी रहती है, वह भाई-बहन के रिश्ते में समानता और भावनात्मक साझेदारी

बदलते दौर की बदलती पारिवारिक संरचना के बीच भाई-बहन के भरोसे, स्नेह और आपनेपन को सामने लाती है। **भाई के लिए बहन के संघर्ष की कहानी दिखाती 'सरबजीत':** 'सरबजीत' (2016) में भाई-बहन के रिश्ते का एक बिल्कुल अलग रूप दिखाई देता है। दलवीर कौर अपने भाई सरबजीत के लिए वर्षों तक संघर्ष करती है। यहां बहन किसी कमजोर या आश्रित पात्र के रूप में नहीं, बल्कि संघर्ष की अगली पंक्ति में खड़ी एक दृढ़ महिला के रूप में सामने आती है। यह फिल्म इस बात को रेखांकित करती है कि भाई-बहन का रिश्ता आवश्यकता पड़ने पर जीवन भर के संघर्ष का संबल बन सकता है। *

पर्दे से बाहर भी बने भाई-बहन के रिश्ते

फिल्मी पर्दे पर कलाकर एक-दूसरे के भाई-बहन बने नजर आते हैं, जबकि अकसर वास्तविक जीवन में उनके बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं होता। इसके उलट फिल्मी दुनिया से जुड़ी कुछ हस्तियों ने पर्दे के बाहर भाई-बहन का रिश्ता कायम किया और इस आत्मीय रिश्ते को ताऊ निमाया भी। महान गायिका लता मंगेशकर के जीवन में ऐसे आत्मीय रिश्तों की विशेष जगह थी। उन्होंने कई कलाकारों के साथ उनकी पारिवारिक आत्मीयता थी। दिलीप कुमार के साथ उनका संबंध विशेष रूप से भावपूर्ण था। दिलीप कुमार उन्हें बहन मानते थे और लता जी भी उन्हें अपने भाई का स्थान देती थीं। राखी के अवसर पर दोनों का यह संबंध सार्वजनिक रूप से भी चर्चित रहा। ऐसे ही संगीतकार मदन मोहन और गायक मुकेश को भी लता जी अपना भाई मानती थीं। इन दोनों को लता जी 'भैया कडकर बुलारी' थीं और उन्हें राखी बांधती थीं।



हरी को लता जी 'भैया कडकर बुलारी' थीं और उन्हें राखी बांधती थीं।